केंद्र सरकार ने लखनऊ, कानपुर और आगरा में मेट्रो का जाल बिछाने को दी एनओसी

शहर में बिछेगा मेट्रो का जाल, भविष्य के परिवहन का खाका खींचा जाएगा

बदलता लखनऊ | 2

■ विजय वर्मा

लखनऊ। सरकार ने विकसित भारत 2047 के विज़न को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने प्रदेश के तीन प्रमुख औद्योगिक और प्रशासनिक केंद्रों लखनऊ, कानपुर और आगरा के लिए आगामी 23 वर्षों के परिवहन ढांचे का खाका खींचना शुरू कर दिया है। इसके तहत इन शहरों में लॉन्ग-टर्म मेट्रो डेवलपमेंट प्लान (2025-2047) तैयार करने की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है। केंद्र सरकार ने न सिर्फ इसकी मंजूरी दे दी है बल्कि इन शहरों में मेट्रो का जाल बिछाने के लिए अनापत्ति भी जारी कर दी है।

यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने लखनऊ विकास प्राधिकरण, कानपुर विकास प्राधिकरण, आगरा विकास प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद से सहयोग मांगा गया है। उन्होंने लिखा है कि मेट्रो रेल नेटवर्क का विस्तार केवल वर्तमान जरूरतों को देखकर नहीं, बल्कि वर्ष 2047 की आबादी और शहरी विस्तार को ध्यान में रखकर किया जाएगा। इसके लिए इन सभी प्राधिकरणों से उनके आगामी 'मास्टर प्लान' और भविष्य की संभावित परियोजनाओं की सूची तत्काल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। उद्देश्य यह है कि मेट्रो के भविष्य के रूट और स्टेशन उन क्षेत्रों को जोड़ें जहां आने वाले वर्षों में नए आवासीय और व्यावसायिक केंद्र विकसित होने वाले हैं।

केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने दी मंजूरी

इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए केंद्र सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने अपनी सहमति प्रदान कर दी है। मंत्रालय द्वारा इस परियोजना के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया गया है। अब यूपीएमआरसी वैकल्पिक विश्लेषण रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की दिशा में काम शुरू कर रहा है। यह रिपोर्ट तय करेगी कि मेट्रो के अलावा अन्य कौन से मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम इन शहरों के लिए बेहतर होंगे।

20 47 के विजन को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम

02 चरण के लिए लखनऊ में मेट्रो का चल रहा काम

2047 तक के लिए मुख्य बिंदु

तीन शहरों पर केंद्रित
लखनऊ, कानपुर और आगरा के मेट्रो कॉरिडोर का व्यापक विस्तार

दीर्घकालिक लक्ष्य
वर्ष 2024 से 2047 तक की शहरी परिवहन आवश्यकताओं का रोड मैप

एकीकृत विकास
विकास प्राधिकरणों के मास्टर प्लान के साथ मेट्रो रूट का समन्वय

आधुनिक तकनीक
भविष्य की जरूरतों के हिसाब से अत्याधुनिक मेट्रो और ट्रांजिट प्रणालियों का विकास

ट्रैफिक व्यवस्था में होगा व्यापक सुधार

एलडीए के प्लानिंग विशेषज्ञों का कहना है कि इस 'लॉन्ग-टर्म डेवलपमेंट प्लान' से शहरी विकास को व्यवस्थित दिशा मिलेगी। अक्सर देखा जाता है कि मेट्रो के रूट और शहरों का विकास अलग-अलग दिशाओं में होता है, जिससे लोगों को स्टेशन तक पहुंचने में असुविधा होती है। विकास प्राधिकरणों के साथ इस तालमेल से मेट्रो सीधे उन इलाकों तक पहुंचेगी जहां भविष्य में लोग बसेंगे।